BSKLA 135

बी.ए. कार्यक्रम
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2022 तथा जनवरी, 2023 सत्रों के लिए)

BSKLA- 135 (संस्कृत भाषा और साहित्य)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी.ए. कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022-23)

पाठ्यक्रम कोड - BSKLA 135

प्रिय छात्र/छात्राओं
यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य: जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश:- सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए:
1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है:
अनुक्रमांक: ------------
नाम: ---------------
पता: ---------------

पाठ्यक्रम का नाम/कोड: ------------
सत्रीय कार्य कोड: ----------------
अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड: -----------
दिनांक: ------------

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2.अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि:

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:

जुलाई, 2022 सत्र के लिए: 31 मार्च, 2023

जनवरी, 2023 सत्र के लिए: 30 सितंबर, 2023

सत्रीय कार्य

BSKLA 135 संस्कृत भाषा और साहित्य

पाठ्यक्रम कोड BSKLA-135

पाठ्यक्रम शीर्षक संस्कृत भाषा और साहित्य

सत्रीय कार्य - BSKLA-135 /TMA/2022-2023

पूर्णांक 100

नोट - सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : 2*10 = 20

1. अधोलिखित पद्यांश तथा गद्यांश की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए

(अ) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः ।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः, मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

अथवा

ब्रह्मादित्यमुन्नयति, देवास्तस्याभितश्चराः ।
धर्मश्चास्तं नयति सत्ये च प्रतितिष्ठति ।।

(ब) विश्वरूपत्वमिव ग्रहीतुमाश्रिता नारायणमूर्त्तिम् । अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलमपि मुञ्चति भूभुजम् ।

अथवा

अस्ति गोदावरीतीरे विशालः शाल्मलीतरुः तत्र नानादिग्देशादागत्य रात्रौ पक्षिणो निवसन्ति। अथ कदाचिदवसन्नायां रात्रावस्ताचलचूडावलम्बिनि भगवति कुमुदिनीनायके चन्द्रमसि लघुपतनकनामा वायसः प्रबुद्धः कृतान्तमिव द्वितीयमायान्तं व्याधमपश्यत् । तमवलोक्याचिन्तयत् “अद्य प्रातरेवानिष्टदर्शनं जातं, न जाने किमनभिमतं दर्शयिष्यति”, इत्युक्त्वा तदनुसरणक्रमेण व्याकुलश्चलितः ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न 10*5 = 50

2. संहिता, संधि तथा समास में परस्पर क्या अंतर है ?

3. “अक्” तथा “झल्” प्रत्याहार में आने वाले वर्णों को लिखें ।

4. “गुरु” शब्द के तृतीया तथा षष्ठी विभक्ति में रूप लिखें तथा गुरु शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं तीन ह्रस्व पुल्लिंग उकारांत शब्दों का उल्लेख करें ।

5. क्या सम्बन्ध भी कारक है ? कारण सहित स्पष्ट करें ।

6. कर्मवाच्य से क्या अभिप्राय है तथा कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य में वाक्य परिवर्तन को समझाएँ ।

7. निम्न में रेखांकित शब्दों को शुद्ध लिखें -

I. हिमालये गंगा प्रभवति ।

II. सा असत्य वदति ।

III. <u>पत्रः</u> पतति ।

IV. <u>अहं</u> अवदम् ।

V. देवी + अस्ति = <u>देवीस्ति</u> ।

8. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें –

I. राम पढ़ता है ।

II. हरि को नमस्कार।

III. कृष्ण का पुत्र फल खाता है ।

IV. वे सब विद्यालय जाती हैं।

V. मुझे लड्डू अच्छे लगते हैं ।

9. समाचार क्या है तथा संस्कृत भाषा में दूरदर्शन पर समाचार-प्रसारण कब होता है ?

10. हेमंत आदि ऋतुओं में निश्चित आहार लेने पर भी रोगों की वृद्धि क्यों होती है?

11. पार्वती ब्रह्मचारी को दूर क्यों हटाना चाहती है ?

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **3*10 = 30**

12. शुकनासोपदेश के अनुसार गुरूपदेश का महत्त्व लिखें ।

13. वर्णोच्चारण में स्थान, करण तथा प्रयत्न का वर्णन करें ।

14. अनौपचारिक तथा औपचारिक पत्र के भेद का वर्णन करें ।